हादसा

घुघरी में हादसों का ब्लैक संडे, 24 घंटे में चार मौतें, सड़क हादसे सहित आत्महत्या ने छीनी चार जिंदगियां, स्वीपर नहीं होने से पोस्टमार्टम के लिए घंटों भटके परिजन

तेज रफ्तार का कहर, पेड़ से टकराई बाइक, दो दोस्तों की मौत

घुघरी, नवभारत। जनपद के घुघरी ब्लॉक में पिछले 24 घंटे काल बनकर टूटे। यहाँ अलग-अलग घटनाओं में चार लोगों की असामयिक मृत्यु हो गई, जिससे समूचे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। एक ओर जहाँ सड़क हादसे ने दो परिवार को उजाड़ दिया, वहीं पुत्र वियोग में एक पिता ने भी दम तोड़ दिया।

जानकारी अनुसार बीती रात मंडला-घुघरी मार्ग पर कटंगी ग्राम के समीप एक भीषण हादसा हुआ। तेज रफ्तार मोटर साइकिल अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे पेड़ से जा टकराई। भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। बताया गया कि निखिल 18 वर्ष, निवासी अमझर और दिलीप पट्टा 18 वर्ष, निवासी गजराज की मौके पर ही मौत हो गई। इसके साथ ही महेंद्र पंद्रों 20 वर्ष को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल मंडला रेफर किया गया है, जहाँ उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

बताया गया कि दूसरी घटना में पाटन बंसीटोला के पास एक अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे 38 वर्षीय संबल सिंह मरकाम को पीछे से कुचल दिया। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। हादसे में संबल सिंह की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने सभी प्रकरणों में मर्ग कायम कर लिया है और अज्ञात वाहन की तलाश सहित अन्य मामलों की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। एक ही दिन में चार पोस्टमार्टम होने से स्वास्थ्य केंद्र और पूरे क्षेत्र में सन्नाटा पसरा रहा।

बेटे की मौत का सदमा नहीं सह सका पिता

घोरेघाट ग्राम में मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। 40 वर्षीय प्रेम सिंह ने अपने बेटे की विगत दिवस सड़क हादसे में हुई मौत के गम में कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने बताया कि वे लंबे समय से मानसिक तनाव और अवसाद में थे। जिसके कारण उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया और अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

अस्पताल की बदहाली से मृतक के परिजन परेशान

जब इन मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए घुघरी स्वास्थ्य केंद्र लाए गए, तो वहां की बदतर स्वास्थ्य व्यवस्था उजागर हो गई। स्वास्थ्य केंद्र में स्थाई स्वीपर न होने के कारण शव घंटों तक रखे रहे और स्वीपर का इंतजार करते रहे। अंततः पीड़ित परिजनों को स्वयं के खर्च पर स्वीपर को बुलाकर पोस्टमार्टम की औपचारिकताएं पूरी करानी पड़ीं।

इनका कहना है

यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि शोक संतप्त परिवारों को अस्पताल में भी भटकना पड़ रहा है। प्रशासन को तुरंत यहाँ स्थाई स्वीपर की नियुक्ति करनी चाहिए।

नीरज मरकाम, प्रदेश उपाध्यक्ष (भाजपा)

बाइक और स्कूटी की भिड़ंत में एक युवक की मौत

खूटा पड़ाव के पास भीषण सड़क हादसा

बीजाडांडी, नवभारत। बीजाडांडी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले खूटा पड़ाव के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहाँ एक मोटरसाइकिल और स्कूटी के बीच हुई भीषण भिड़ंत में स्कूटी चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद से ही क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है।

जानकारी अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूटी के परखच्चे उड़ गए। हादसे में जान गंवाने वाला युवक ग्राम चमरवाह का निवासी बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि भिड़ंत के तुरंत बाद युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। हादसे की खबर फैलते ही घटनास्थल पर ग्रामीणों और राहगीरों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही बीजाडांडी पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराया।

पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर लिया है और वाहनों को जब्त कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल हादसे के सटीक कारणों का पता लगाया जा रहा है कि दुर्घटना तेज रफ्तार की वजह से हुई या किसी अन्य तकनीकी खराबी के कारण।

15 दिवसीय विशेष हेलमेट अभियान का आगाज

मंडला। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक मंडला रजत सकलेचा के मार्गदर्शन में जिले की सड़कों को सुरक्षित बनाने के लिए एक विशेष अभियान की शुरुआत की गई है। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को रोकने के उद्देश्य से 26 अप्रैल से 10 मई तक 15 दिवसीय हेलमेट अनिवार्यता अभियान चलाया जाएगा। बताया गया कि अधिकांश सड़क हादसों में मौत का मुख्य कारण हेलमेट न पहनना और यातायात नियमों की अनदेखी होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए मंडला पुलिस दोतरफा रणनीति पर काम कर रही है। जिसमें सख्त कार्रवाई के साथ जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत हेलमेट न पहनने वाले दोपहिया वाहन चालकों के विरुद्ध मौके पर चालानी कार्रवाई की जा रही है। गंभीर उल्लंघन के मामलों में ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन हेतु प्रकरण भी तैयार किए जा रहे हैं। इसके साथ ही युवाओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए स्कूल, कॉलेज और कोचिंग संस्थानों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों द्वारा जनसंवाद कर नागरिकों को सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

टिकरिया में गूंजे आदिगुरु शंकराचार्य के विचार

नारायणगंज में संगोष्ठी के साथ जल संरक्षण का लिया संकल्प

नारायणगंज। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड नारायणगंज के तत्वावधान में रविवार को संदीपनी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टिकरिया में आदिगुरु शंकराचार्य जी की 1238वीं जयंती के उपलक्ष्य पर विकासखंड स्तरीय व्याख्यानमाला एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती और आदिगुरु शंकराचार्य के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया।

मुख्य वक्ता के रूप में विकासखंड समन्वयक संतोष कुमार झारिया ने आदिगुरु शंकराचार्य के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उन्होंने मात्र 8 वर्ष की अल्पायु में वेदों का पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर लिया था। उन्होंने भारत की चारों दिशाओं में मठों की स्थापना कर सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता को एक सूत्र में पिरोने का महान कार्य किया। 32 वर्ष की आयु में समाधि लेने वाले शंकराचार्य जी के विचार आज भी प्रासंगिक हैं।

परामर्शदाता और प्रबुद्धजन रहे मौजूद-कार्यक्रम में उपस्थित परामर्शदाता राकेश अग्रवाल, वीरेंद्र अग्रवाल, इंद्रा उइके, सुमित हथाले और सुरेश सोनी ने भी शंकराचार्य जी के महत्व और उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर विस्तार से जानकारी साझा की। इस अवसर पर नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि, ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के सदस्य, सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राएं और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

जल संरक्षण की दिलाई शपथ-व्याख्यानमाला के समापन पर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सभी उपस्थित जनों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के अंत में पर्यावरण सुरक्षा और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल बचाने हेतु सभी को सामूहिक रूप से जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

देवरीकला में हादसे को न्यौता दे रही 30 साल पुरानी पानी की टंकी

बबलिया गांव में सफाई के अभाव में फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, प्रशासन से नई टंकी की मांग

बबलिया। ग्राम देवरीकला बबलिया में पेयजल व्यवस्था के लिए बनी पानी की टंकी अब ग्रामीणों के लिए बड़ी मुसीबत और खतरे का सबब बन गई है। लगभग 30 वर्ष पूर्व निर्मित यह टंकी अपनी निर्धारित समय सीमा 20 वर्ष को काफी पहले ही पार कर चुकी है, लेकिन विभागीय अनदेखी के चलते आज भी इसी जर्जर ढांचे से पानी की सप्लाई की जा रही है।

ग्रामीणों ने बताया कि टंकी की हालत इतनी खस्ता हो चुकी है कि इसमें जगह-जगह गहरी दरारें पड़ गई हैं और कांक्रीट का प्लास्टर आए दिन उखड़कर गिरता रहता है। निर्माण एजेंसी ने इसकी आयु मात्र 20 वर्ष तय की थी, जिसके बीत जाने के बाद भी इसका उपयोग जारी है। टंकी की कमजोर स्थिति को देखते हुए यहाँ कभी भी किसी बड़ी अनहोनी या गंभीर हादसे की आशंका बनी रहती है।

सफाई के अभाव में मिल रहा दूषित पानी

टंकी की जर्जर हालत के साथ इसकी नियमित साफ-सफाई न होना भी एक बड़ी समस्या है। ग्रामीणों का आरोप है कि समय पर सफाई न होने से टंकी के भीतर भारी गंदगी जमा हो गई है, जिससे घरों में पहुँचने वाले पानी की शुद्धता पर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं। दूषित पानी के कारण गांव में बीमारियों के फैलने का खतरा भी बढ़ गया है।

प्रशासनिक अनदेखी से ग्रामीणों में रोष

स्थानीय निवासियों का कहना है कि संबंधित विभाग को कई बार लिखित और मौखिक सूचना दी गई, लेकिन अब तक जिम्मेदार अधिकारियों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि टंकी की तकनीकी जांच कर तत्काल मरम्मत कराई जाए अथवा नई टंकी का निर्माण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, पेयजल की शुद्धता के लिए नियमित सफाई की व्यवस्था भी अनिवार्य रूप से लागू करने की मांग की गई है।

किले वाले बाबा के उर्स को लेकर बैठक आज

मंडला। इस वर्ष भी हजरत बाबा बरहेना शाह किले वाले बाबा के उर्स को लेकर सोमवार 27 अप्रेल को रात 9 बजे दरगाह परिसर में बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में उर्स आयोजन की तैयारियों और विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की जाएगी। समिति के सदस्यों ने बताया कि इस वर्ष 20 से 23 मई तक किया जाएगा। इस दौरान मिलाद शरीफ, फजिर का गुस्ल, निशानपोशी, संदल जुलूस, महफिल-ए-शमा, लंगर-ए-आम और कुल की फातिहा जैसे धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समिति ने बाबा के सभी अनुयायियों और क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे बैठक में शामिल होकर अपने सुझाव दें, ताकि उर्स को भव्य और सुव्यवस्थित तरीके से आयोजित किया जा सके।

अनावश्यक रिजेक्ट नहीं होगा गेहूं, खरीदा जाएगा एक-एक दाना

किसानों के बीच पहुंचीं मंत्री संपतिया, आक्रोश हुआ शांत, सुनी समस्या, 1.24 करोड़ की लागत से नए पुल को भी मिली मंजूरी

नैनपुर, नवभारत। गेहूं खरीदी और उपार्जन संबंधी समस्याओं को लेकर आक्रोशित किसानों के बीच प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके पहुँचीं। उन्होंने नैनपुर मंडी में भारत कृषक समाज के प्रतिनिधिमंडल और स्थानीय किसानों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान का भरोसा दिलाया।

बताया गया कि दो दिन पूर्व नैनपुर में किसानों ने गेहूं रिजेक्ट होने और खरीदी प्रक्रिया शुरू न होने को लेकर सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया था। किसानों ने मंत्री को बताया कि गेहूं की चमक के आधार पर उपज को गुणवत्ताहीन बताकर रिजेक्ट किया जा रहा है, जिससे उन्हें भारी नुकसान हो रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए मंत्री श्रीमती उईके ने स्पष्ट किया कि किसानों का एक-एक दाना समर्थन मूल्य पर खरीदा जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि किसी भी किसान के गेहूं को अनावश्यक रूप से रिजेक्ट न किया जाए और नियमों का पालन करते हुए किसानों के साथ सरल व्यवहार रखें।

1.24 करोड़ से बनेगा नया पुल, जानलेवा मोड़ से मिलेगी मुक्ति

इसी दौरान क्षेत्रीय विकास को लेकर एक बड़ी घोषणा भी की गई। नैनपुर-डिठौरी मार्ग पर स्थित पुराने और जर्जर घुमावदार पुल, जो लंबे समय से हादसों का केंद्र बना हुआ था, के स्थान पर अब नया पुल बनाया जाएगा। शासन द्वारा इसके लिए 1 करोड़ 24 लाख 17 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह पुराना पुल बारिश के दौरान डूब जाता था, जिससे आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता था। ग्रामीणों ने इसे जानलेवा पुल की संज्ञा दे रखी थी। मंत्री की पहल पर मिली इस स्वीकृति से अब क्षेत्रवासियों को सुरक्षित और सुगम सफर की सुविधा मिलेगी। इस दौरान आशुतोष महादेव ठाकुर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और पार्टी संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जेसीबी से क्षतिग्रस्त हुई पाइप लाइन से ग्रामीण परेशान

थाने पहुंचकर दर्ज कराई शिकायत

मंडला। भीषण गर्मी के इस दौर में जहाँ ग्रामीण क्षेत्रों में जल स्तर गिरने से पहले ही पानी की समस्या बनी हुई है, वहीं महाराजपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पौड़ी बढ़ार में एक व्यक्ति की लापरवाही ने ग्रामीणों के लिए भारी संकट खड़ा कर दिया है। यहाँ जमीन सुधार कार्य के दौरान जेसीबी मशीन की चपेट में आने से नल-जल योजना की मुख्य पाइपलाइन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे पूरे गाँव की पेयजल आपूर्ति ठप हो गई है।

बताया गया कि पाइपलाइन टूटने से बढ़ार के आधा सैकड़ा से अधिक परिवार सीधे तौर पर प्रभावित हुए हैं। स्थिति यह है कि ग्रामीणों को चिलचिलाती धूप में लगभग एक किलोमीटर दूर जाकर पानी का इंतजाम करना पड़ रहा है। गाँव के कुओं में भी पर्याप्त पानी न होने के कारण महिलाओं और बुजुर्गों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने की पुलिस में शिकायत-ग्रामीणों का आरोप है कि जब उन्होंने पाइपलाइन क्षतिग्रस्त करने वाले संबंधित व्यक्ति से इसे सुधारने की बात कही, तो वह सहयोग करने के बजाय विवाद और अभद्र व्यवहार पर उतारू हो गया। मरम्मत कार्य न होने और व्यक्ति के अड़ियल रवैये से नाराज ग्रामीणों ने अंततः महाराजपुर थाने पहुँचकर मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

जल्द सुधार की मांग-ग्रामवासियों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से गुहार लगाई है कि क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की तत्काल मरम्मत कराई जाए जिससे पेयजल आपूर्ति बहाल हो सके। साथ ही ग्रामीणों ने सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने वाले व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी की है।

बेजुबान साथी के साथ पैदल परिक्रमा पर निकले दगडू महाराज

मंडला। आस्था और अटूट श्रद्धा की राह पर निकले महाराष्ट्र के अहिल्यानगर पुणे निवासी दगडू बिहारी महाराज इन दिनों क्षेत्र में चर्चा का विषय बने हुए हैं। गोरखनाथ परंपरा के अनुयायी महाराज जी ने माँ नर्मदा की पूर्ण पैदल परिक्रमा का संकल्प लिया है। विशेष बात यह है कि वे अकेले नहीं, बल्कि अपने घोड़े के साथ इस कठिन यात्रा को पैदल ही पूरा कर रहे हैं।

जानकारी अनुसार दगडू बिहारी महाराज अपने घोड़े के साथ महाराष्ट्र के अहिल्यानगर से लगभग 700 किलोमीटर की लंबी दूरी पैदल तय कर ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर पहुंचे। वहाँ विधि-विधान से पूजन के बाद उन्होंने माँ नर्मदा की पूर्ण परिक्रमा प्रारंभ की। यात्रा के दौरान वे निरंतर अपने बेजुबान साथी (घोड़े) को भी पैदल ही परिक्रमा करवा रहे हैं, जो उनकी पशु प्रेम और भक्ति का अद्भुत समन्वय दर्शाता है।

महाराजपुर में हुआ आत्मीय स्वागत-परिक्रमा पथ पर चलते हुए महाराज जी बीते शाम मंडला के महाराजपुर स्थित सुहानंद रेवा सेवा आश्रम पहुंचे। आश्रम प्रबंधक मुकेश सोनी ने उनका पुष्पहारों से हार्दिक स्वागत किया। इस दौरान आश्रम द्वारा मानवता का परिचय देते हुए न केवल महाराज जी के विश्राम की व्यवस्था की गई, बल्कि उनके घोड़े के लिए ताजी घास और पानी का विशेष प्रबंध भी किया गया।

सेवा के लिए समर्पित करेंगे जीवन-गोरखनाथ परंपरा को मानने वाले दगडू बिहारी महाराज का महाराष्ट्र में भरा-पूरा परिवार है और अहिल्यानगर पुणे में उनकी लगभग 50 एकड़ कृषि भूमि है। उन्होंने बताया कि इस परिक्रमा के बाद वे अपना शेष जीवन समाज सेवा को समर्पित करना चाहते हैं। उनका संकल्प है कि वे अपनी भूमि पर एक भव्य आश्रम का निर्माण करवाएंगे, जहाँ असहायों और सेवाभावी लोगों को आश्रय मिल सके। रात्रि विश्राम के बाद सुबह 6 बजे वे अपनी अगली मंजिल की ओर प्रस्थान पर निकल गए। बताया गया कि नर्मदा तट के ग्रामीण अंचलों में जहाँ भी महाराज जी गुजर रहे हैं, लोग इस अनूठी जोड़ी और उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति को देखकर नतमस्तक हो रहे हैं।

37 लीटर विदेशी मदिरा जब्त 160 डिब्बे लाहन किया नष्ट

मंडला। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देशन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब के निर्माण और विक्रय के विरुद्ध जिले में सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला आबकारी अधिकारी अजीत एक्का एवं आबकारी उपनिरीक्षक शैली सैयाम के मार्गदर्शन में वृत क्षेत्र मंडला के अंतर्गत नर्मदा किनारे विभिन्न स्थलों पर दबिश दी गई।

कार्रवाई के दौरान आबकारी टीम ने मूडीज मून ढाबा और ग्राम गोंझी में अवैध रूप से मदिरा विक्र य करने वाले स्थलों की तलाशी ली। मौके से भारी मात्रा में देसी-विदेशी मदिरा और कच्ची शराब बरामद की गई। टीम ने कुल 37.6 लीटर विदेशी मदिरा और 15 लीटर हाथ भट्टी से बनी कच्ची शराब जब्त की। इसके अतिरिक्त, शराब बनाने हेतु उपयोग किए जाने वाले 160 डब्बे महुआ लाहन को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के अंतर्गत 6 अलग-अलग प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। जब्त की गई मदिरा और नष्ट किए गए लाहन की कुल अनुमानित कीमत लगभग 55,000 रुपये आंकी गई है। इस कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक सचिन मंडलोई, मुख्य आरक्षक दुर्जन सिंह कुलेश, आरक्षक नेतराम काकोटिया, कन्हैया यूके, रघुनाथ यूके और शकुंतला सैयाम की सक्रिय भूमिका रही। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के परिवहन और विक्रय के विरुद्ध इस तरह की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

फर्जी एग्रीमेंट के जरिए कृषि भूमि हड़पी

जबलपुर। फर्जी एग्रीमेंट के जरिए कृषि भूमि हड़पने के मामले में पीड़िता ने अब भेड़ाघाट थाने पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई। इसके पहले मंगलवार को पीड़िता पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची थीं। शिकायत में पीड़िता माधुरी बाई विश्वकर्मा पत्नि स्व. कौड़ीलाल विश्वकर्मा 75 वर्ष निवासी रेतनाका ग्राम तेवर भेड़ाघाट रोड, ने बताया कि परिवार की कृषि भूमि तेवर हाईवे रोड से लगी हुई है। जिसका 100 रूपये के फर्जी स्टाम्प पर फर्जी तरीके से एग्रीमेंट करके प्रताड़ित किया जा रहा है। संपत्ति की कीमत 11,51,00,000 रूपए दर्शित है। दीपक जैन, पंकज जैन, आर के जैन, नर्मदा प्रसाद के द्वारा फर्जी एग्रीमेंट कर उसे मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। लगातार जान से मारने की धमकी दी जा रही है। सभी भूमि की रजिस्ट्री करवाना चाहते है। पीड़िता ने यह भी बताया कि उनके दिवंगत पुत्र द्वारा उक्त भूमि पहले ही किसी अन्य को विधिवत बेची जा चुकी है, इसके बावजूद आरोपी जबरन रजिस्ट्री कराने का दबाव बना रहे हैं।

शादी का डिजिटल कार्ड खोलते ही किसान का खाता हुआ खाली, ठग ने उड़ाए 2.58 लाख

जबलपुर। गोसलपुर थाना अंतर्गत सिलुआ में एक किसान को व्हाट्सएप पर शादी का कार्ड खोलना भारी पड़ गया। ठग ने किसान के बैंक खाते में सेंध लगाकर किस्तों में कुल 2,58,191 रुपये पार कर दिए।

पुलिस ने बताया कि सिलुआ निवासी संदीप कुमार साहू (38) ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके व्हाट्सएप पर एक अनजान नंबर से फाइल आई थी। फाइल के साथ शादी का निमंत्रण लिखा था। जैसे ही संदीप ने कार्ड देखने के लिए उसे डाउनलोड किया, उनका मोबाइल अचानक हैंग हो गया।

हालांकि फाइल डिलीट कर दी और मोबाइल ठीक करवा लिया, लेकिन शातिर ठग ने उसी दौरान उनके फोन का कंट्रोल हासिल कर लिया था। पहले खाते से महज 218 रुपये काटे गए ताकि पीड़ित को शक न हो। छोटी-छोटी रकम फिर निकाली गई। महज एक घंटे के भीतर 10 ट्रांजेक्शन किए गए। जब मोबाइल पर 46,116 रुपये कटने का मैसेज आया, तब संदीप ने तत्काल भारतीय स्टेट बैंक की गोसलपुर शाखा पहुँचकर खाता चेक करवाया। बैंक स्टेटमेंट देखते ही उनके पैरों तले जमीन खिसक गई उनके मेहनत की कमाई के 2 लाख 58 हजार रुपये निकाले जा चुके थे। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस अब साइबर सेल की मदद से उन बैंक खातों और लोकेशन की तलाश कर रही है जहाँ यह पैसा ट्रांसफर हुआ है।